बेटियों के अस्तित्व, संरक्षण एव सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने एवं उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ किये गये बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। हम सभी जानते है कि भारत में बालक–बालिकाओं के लिंग अनुपात में काफी विषमताएं है जिससे न केवल सामाजिक संतुलन डगमगा रहा है बल्कि बालिकाओं के अस्तित्व को लेकर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। एक संवेदनशील समाज का अंग होने के नाते हमें सर्वप्रथम बालिकाओं के प्रति बराबरी एवं आदर का भाव विकसित करना होगा। उनकी प्रकृति द्वारा प्रदत्त विशेषताओं को सहज स्वीकार करते हुए सम्मान करना होगा।

मुझे विश्वास है कि यह अभियान बालिकाओं को सुरक्षात्मक वातावरण प्रदान करने के साथ–साथ उनके संतुलित पोषण, विशेष स्वास्थ्य व्यवस्था एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को भी सुनिश्चित करेगा। बालिकाओं के प्रति समाज का नजरिया बदलने की दिशा में भी सहायक सिद्ध होगा ताकि सकारात्मक वातावरण में विकसित होकर उनमें सही दृष्टिकोण, सही विचार एवं सही निर्णय लेने की क्षमता जागृत हो सके।

मेरी कल्पना है कि बेटियां उन्मुक्त होकर स्वछन्द वातावरण में आसमान की ऊचाईयों को छूने का होसला रखें।